

भारत सरकार  
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय  
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2051  
दिनांक 06 दिसम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

नमक और चीनी में माइक्रोप्लास्टिक की उपस्थिति

2051. डॉ. मोहम्मद जावेद:

एडवोकेट अदूर प्रकाशः

श्री मुरारी लाल मीना:

श्री हैबी ईडनः

श्री हरीश चंद्र मीना:

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को राजस्थान के टोक-सवाई माधोपुर जिले सहित देश में खपत होने वाले नमक और चीनी में माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी की रिपोर्ट करने वाले अध्ययनों की जानकारी है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने देश में विशेषकर राजस्थान में सामान्यतः उपभोग की जा रही खाद्य सामग्री में माइक्रोप्लास्टिक की उपस्थिति और इसकी मात्रा का आकलन करने के लिए कोई अध्ययन या अनुसंधान कराया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार व्यौरा क्या है;

(ग) नमक, चीनी और अन्य आवश्यक खाद्य सामग्रियों में माइक्रोप्लास्टिक संदूषण की निगरानी और विनियमन के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है; और

(घ) "उभरते खाद्य संदूषकों के रूप में माइक्रो और नैनो प्लास्टिक: वैधीकृत पद्धतियों की स्थापना और विभिन्न खाद्य मैट्रिक्स में इनकी व्यापता को समझना" परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री  
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): सरकार को उस अध्ययन की जानकारी है जिसमें नमक और चीनी के नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक का पता चला है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएआई) के वैज्ञानिक पैनलों में स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न संगठनों द्वारा किए गए विभिन्न अध्ययनों पर विचार-विमर्श किया जाता है। इस अध्ययन के गुणावगुण के आधार पर विशेषज्ञों द्वारा मुद्दों पर विचार किया जाता है।

एफएसएसएआई ने सीएसआईआर-भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, आईसीएआर-केंद्रीय मात्स्यकी प्रौद्योगिकी संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफटी), कोच्चि और बिरला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (बिट्स), पिलानी द्वारा "उभरते खाद्य संदूषकों के रूप में माइक्रो और नैनो-प्लास्टिक: वैधीकृत पद्धतियों की स्थापना और विभिन्न खाद्य मैट्रिक्स में इनकी व्यापता की समझ" नामक इस परियोजना को वित्त पोषित किया है। इस परियोजना के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:-

- i. खाद्य पदार्थों के मैट्रिक्स में सूक्ष्म/नैनो-प्लास्टिक की पहचान और मात्रा निर्धारण के लिए विश्लेषणात्मक तरीकों का विकास और वैद्यकरण करना।
- ii. पहचाने गए खाद्य मैट्रिक्स में विकसित तरीकों की अंतर और अंतरा-प्रयोगशाला तुलना करना।
- iii. पहचाने गए खाद्य मैट्रिक्स में सूक्ष्म/नैनो-प्लास्टिक के एक्सपोजर स्तरों की निगरानी और निर्धारण करना।

\*\*\*\*\*